पाठ – 4

दूँगी फूल कनेर के

2FMMU6

–श्री गंगाप्रसाद

इस कविता में कवि श्री गंगाप्रसाद जी ने भारतीय ग्रामीण जनजीवन की एक मोहक झाँकी प्रस्तुत की है। बालकों के मन के भावों को एक नन्हीं बालिका के माध्यम से अत्यंत सहजता एवं सजीवता के साथ चित्रित करते हुए कवि ने मानव की उस स्वार्थी प्रवृत्ति की ओर भी ध्यान दिलाया है, जो लालच में वृक्षों को काटने से तनिक भी नहीं हिचकता। सरल, सुबोध भाषा–शैली में गाँव की नन्हीं बालिका के मन के भावों को प्रकट करती हुई यह कविता अत्यंत प्रभावी बन गई है।

आना मेरे गाँव तुम्हें मैं
दूँगी फूल कनेर के ।

(1)

कुछ कच्चे, कुछ पक्के घर हैं,
एक पुराना ताल है ।
सड़क बनेगी, सुनती हूँ,
इसका नंबर इस साल है ।
चखते आना टीले ऊपर
कई पेड़ हैं बेर के ।
आना मेरे गाँव तुम्हें मैं
दूँगी फूल कनेर के ।

(2)

बाबा ने था पेड़ लगाया,
बापू ने फल खाए हैं।
भाई कैसे उसे काटने,
को रहते ललचाए हैं ?
मेरे बचपन में ही आए,
दिन कैसे अंधेर के ?
आना मेरे गाँव तुम्हें मैं
दूँगी फूल कनेर के।

(3)

खड़िया–पाटी, कॉपी–बस्ते
लिखना–पढ़ना रोज़ है।
खेलें–कूदें कभी न तो फिर,
यह सब लगता बोझ है।
कई मुखौटे तुम देखोगे,
मिट्टीवाले शेर के।
आना मेरे गाँव तुम्हें मैं
दूँगी फूल कनेर के।

(4)

हँसना–रोना तो लगता ही,
रहता है हर खेल में।
रूठे, कुट्टी कर ली लेकिन,
खिल उठते हैं मेल में।
मगर देखना क्या होता है,
मेरी चिट्ठी फेर के ?
आना मेरे गाँव तुम्हें मैं
दूँगी फूल कनेर के ।

शब्दार्थ :– **ताल**– तलाब, **ललचाना** – लुभाना, मोहित करना **मुखौटे** – पाटी, **चाक**–स्लेट, **कुट्टी** – अलग होना (घास का चारा)

अभ्यास

पाठ से

1. प्रस्तुत कविता में कौन अपने गाँव आने के लिए आमंत्रण दे रहा है?
2. बालिका अपने गाँव में बुलाने के लिए क्या–क्या प्रलोभन देती है?
3. कविता की किन पंक्तियों से बालिका का पर्यावरण प्रेम प्रकट होता है?
4. 'हँसना रोना तो लगता ही रहता है हर खेल में' कविता की इस पंक्ति का क्या आशय है?
5. 'कई मुखौटे' तुम देखोगे मिट्टी वाले शेर के। कविता की इस पंक्ति में **मुखौटे** और **मिट्टी वाले शेर** का किन अर्थों में प्रयोग हुआ है?
6. 'मेरे बचपन में ही आए दिन कैसे अंधेरे के'। बालिका ऐसा क्यों कह रही है?

पाठ से आगे

1. बालिका बता रही है कि इस साल उसके गाँव में सड़क बनेगी। सड़क के बन जाने से गाँव और वहाँ के लोगों के जीवन में क्या–क्या परिवर्तन हो सकते हैं? सोचकर लिखिए।
2. बालिका के भाई पेड़ को क्यों काटना चाहते हैं? पेड़ काटने के क्या नुकसान हैं? अपने विचार लिखिए।
3. गाँव में कुछ घर कच्चे और कुछ घर पक्के हैं? आपको कच्चा घर अच्छा लगता है या पक्का? कारण सहित लिखिए।
4. बालिका के गाँव में एक पुराना तालाब है। तालाब को अगर पाट दिया जाए तो उससे गाँव किस तरह प्रभावित होगा? विचारकर लिखिए।
5. कुट्टी करने की स्थिति कब आती है? आपने भी अपने किसी मित्र से कुट्टी अवश्य की होगी। उसकी वजह लिखिए और यह भी लिखिए कि फिर कब और कैसे आपकी पुनः दोस्ती हो गई।

भाषा से

1. अपने शहर या गाँव का रोचक वर्णन करते हुए अपने मित्र को पत्र लिखकर वहाँ आने के लिए आमंत्रित कीजिए।
2. (अ) आना मेरे गाँव तुम्हें मैं, दूँगी फूल कनेर के

   कविता की इन पंक्तियों को गद्य में इस प्रकार लिखा जा सकता है–

   मेरे–गाँव आना, मैं तुम्हें कनेर के फूल दूँगी।

   अब आप भी कविता की किन्हीं आठ लाईनों को गद्य में परिवर्तित कर लिखिए।

3. नीचे लिखे वाक्यों में रेखांकित शब्दों पर ध्यान दीजिए –

(अ) (i) कुतुबमीनार इतिहास से संबंधित इमारत है।

(ii) कुतुबमीनार ऐतिहासिक इमारत है।

(ब) (i) महात्मा पत्तों से बनी कुटिया में निवास करते हैं।

(ii) महात्मा जी पर्णकुटी में निवास करते हैं।

'इतिहास से संबंधित' के लिए 'ऐतिहासिक' तथा 'पत्तों' से बनी कुटिया के लिए 'पर्णकुटी' शब्द का प्रयोग किया जा सकता हैं। इस प्रकार भाषा में अनेक शब्दों के लिए एक शब्द का प्रयोग किया जा सकता है। इससे भाषा में संक्षिप्तता आती है तथा भाषा का सौंदर्य बढ़ जाता है। आप भी नीचे लिखे अनेक शब्दों के लिए एक शब्द लिखिए और उनका वाक्यों में प्रयोग कीजिए–

(1) जो कभी न मरे
(2) जिसकी उपमा न हो
(3) जिसका मूल्य न आँका जा सके
(4) जिसका अंत न हो
(5) सदा जीवित रहने वाला
(6) जो सब कुछ जानता हो
(7) जो कठिनाई से मिले।
(8) जो मांस खाता है।
(9) बहुत बोलने वाला
(10) नष्ट होने वाला

4. कविता की निम्न पंक्तियों को लय में पढ़िए।

मेरे बचपन में ही आए
दिन कैसे अंधेर के?
आना मेरे गाँव तुम्हें मैं
दूँगी फूल कनेर के

पढ़ते समय आप देंखेगे कि रेखांकित शब्द **अंधेर** के तथा **कनेर** के शब्द की तुकान्तता की वजह से कविता में लयात्मकता या गेयता आ गई है। आप भी दिये गये शब्दों से मिलते–जुलते तुक वाले पाँच–पाँच सार्थक शब्द लिखिए।

खेले, खाए, टीले, फूल, घर, गाँव।

5. 'क्रिया' व्याकरण का एक प्रमुख अंग है। साधारण अर्थ में इससे तात्पर्य है, कार्यों से संबंध होना। नीचे कुछ वाक्य दिए जा रहे हैं। इनके भाव के अनुसार खाली जगह को सही क्रिया शब्द से भरिए।

उदाहरण– बच्चे आम के बगीचे के आसपास ..... रहे थे ।
बच्चे आम के बगीचे के आसपास मँडरा रहे थे ।

क. दिन भर साइकिल पर यात्रा करके राकेश जब घर आया तो वह .....

ख. अपनी माता जी को आता हुआ देखकर शिशु ..... ।

ग. डाकू की आवाज़ सुनकर सब लोग ..... ।

घ. किशोर तो बहुत कमज़ोर है, शिक्षक कुछ बात ज़ोर से बताते हैं तो वह .....।

6. **क. निम्नलिखित संज्ञाओं से क्रियाएँ बनाइए ।**

उदाहरण– पढ़ाई – पढ़ना

लिखाई, सिलाई, बुनाई, भराई, सजाई ।

ख. इन शब्दों के आधार पर संज्ञा से क्रिया बनाने के संबंध में आप क्या नियम बना सकते हैं ?

योग्यता विस्तार–

1. अपने घर और आसपास के बड़े बुजुर्गों से पूछ कर पता लगाइए कि आपके गाँव या शहर में उनके बचपन से अब तक क्या–क्या परिवर्तन हुए हैं? यह भी पता कीजिए कि उन परिवर्तनों से क्या–क्या फायदे नुकसान हुए हैं?

2. मुखौटे के बारे में आप क्या जानते हैं? इसका उपयोग कहाँ–कहाँ और क्यों होता है ? समूह में चर्चाकर लिखिए।

2GFAZ4

नीचे बनी तालिका में कुछ फूलों के अधूरे नाम दिए हुए हैं। उनके सही नाम बताइए । (कोष्ठक में दिए वर्णों से पूरे कीजिए । क्रम बाएँ से होगा)

(ल, र, ह, अ, व, बे, मों, ल, ल)

	ला				
	ग	रा			
सू		ज	मु	खी	
गु		मो		र	
	म		ता	श	
गु		ब	का		ली